RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई, बुधवार 29 अक्टूबर 2025 वर्ष 07 अंक 193 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक रोकठोक लेखनी

खबरें बे-रोकटोक

मुंबई : उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने उद्धव ठाकरे पर तीखा हमला बोलते हुए उन्हें मुंबई की कोषागार पर लिपटा एनाकोंडा कहा

Page - 2

मुंबई: गजानन मर्ने गैंग का सदस्य रूपेश मर्ने उर्फ "नंबर कारी"गिरफ्तार

मुंबईः शहर की क्राइम ब्रांच ने बुधवार को गजानन मर्ने गैंग के एक महत्वपूर्ण सदस्य रूपेश मर्ने उर्फ ''नंबर कारी'' को गिरफ्तार किया है। यह वही गैंगस्टर है जो 19 फरवरी 2025 को शिव जयंती के अवसर पर हुई एक हिंसक घटना में शामिल था। उस दौरान गैंग के सदस्यों ने एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर पर हमला किया था, जिसकी शिकायत कोथरुड पुलिस थाने में दर्ज की गई थी। डीसीपी जोन-3 संभाजी कदम ने जानकारी देते हुए बताया कि यह गिरफ्तारी पुलिस की कई महीनों की ट्रैकिंग और खुफिया निगरानी के बाद की गई है।

उन्होंने कहा, ''गजानन मर्ने गैंग के सदस्य लगातार शहर में दहशत फैलाने की कोशिश कर रहे थे। लेकिन पुलिस की त्वरित कार्रवाई से आज गैंग का एक अहम सदस्य हमारी गिरफ्त में है।''

पुलिस के अनुसार, रूपेश मर्ने उर्फ नंबर कारी गजानन मर्ने का करीबी सहयोगी है और कई आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहा है। उसके खिलाफ मारपीट, धमकी और वसूली जैसे कई मामले दर्ज हैं। शिव जयंती के दिन हुई घटना में मर्ने गैंग के सदस्यों ने क्षेत्र में शक्ति प्रदर्शन करते हुए कथित रूप से हथियारों का भी इस्तेमाल किया था। डीसीपी कदम ने बताया कि इस मामले में पहले से ही कई अन्य गैंग सदस्य गिरफ्तार किए जा चुके हैं, और अब रूपेश मर्ने की गिरफ्तारी से पूरी साजिश का खुलासा होने की उम्मीद है।

मुंबई : महाराष्ट्र सरकार ने अबू धाबी पोर्ट्स के साथ एक ऐतिहासिक समझौता किया

"ब्लू इकॉनमी" के विकास को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम

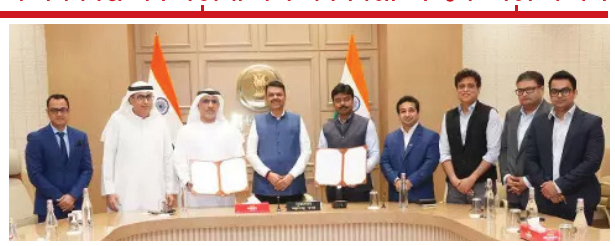

मुंबईः महाराष्ट्र सरकार ने अबू धाबी पोर्ट्स के साथ एक ऐतिहासिक समझौता किया है, जो भारत में इस पोर्ट अथॉरिटी का किसी राज्य सरकार के साथ पहला करार है। यह समझौता राज्य को समुद्री क्षेत्र में वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करने और ''ब्लू इकॉनमी'' के विकास को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। इस करार के तहत करीब 2 अरब अमेरिकी डॉलर (लगभग 16,700 करोड़) के निवेश की योजना बनाई गई है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की मौजूदगी में हुए इस समझौते के दौरान महाराष्ट्र सरकार और अबू धाबी पोर्ट्स ग्रुप के बीच कई अहम बिंदुओं पर सहमति बनी। दोनों पक्षों ने राज्य में जहाज निर्माण, पोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर, लॉजिस्टिक्स और समुद्री उद्योगों में संयुक्त निवेश की रूपरेखा तैयार की है। इसका उद्देश्य न केवल राज्य के बंदरगाहों की क्षमता को बढ़ाना है, बल्कि रोजगार और औद्योगिक अवसरों का भी सृजन करना है।

अबू धाबी पोर्ट्स के अधिकारियों ने कहा कि महाराष्ट्र के पास समुद्री व्यापार के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण स्थिति है, और इस साझेदारी के जरिए राज्य में बंदरगाहों और औद्योगिक गलियारों को विश्वस्तरीय सुविधाओं में तब्दील किया जाएगा। इस MoU से महाराष्ट्र की ''ब्लू इकॉनमी 2030 विजन'' को नई गति मिलने की उम्मीद है, जिसके तहत समुद्री संसाधनों का सतत उपयोग और तटीय इलाकों का विकास प्राथमिक लक्ष्य है। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि यह समझौता महाराष्ट्र को भारत के सबसे बड़े मैरिटाइम हब के रूप में विकसित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार आने वाले वर्षों में समुद्री अर्थव्यवस्था के योगदान को जीडीपी का 20% तक बढ़ाने का लक्ष्य रखती है। इसके लिए कोकण, मुंबई और रायगढ़ जिलों में नई पोर्ट परियोजनाओं और शिपयार्ड्स की स्थापना की योजना है।

अबू धाबी पोर्ट्स की ओर से बताया गया कि निवेश का एक बड़ा हिस्सा ग्रीन पोर्ट्स, डिजिटल लॉजिस्टिक्स सिस्टम और सस्टेनेबल शिपिंग टेक्नोलॉजी के विकास पर खर्च किया जाएगा।

नागपुर : बच्चू कडू के नेतृत्व में हजारों किसानों ने नागपुर-हैदराबाद एनएच-44 को घंटों तक किया अवरुद्ध

नागपुर : पूर्व मंत्री और प्रहार जनशक्ति पार्टी के नेता बच्चू कडू के नेतृत्व में हजारों किसानों ने नागपुर-हैदराबाद राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-44) को घंटों तक अवरुद्ध कर दिया। यह विरोध प्रदर्शन किसानों की विभिन्न मांगों को लेकर किया गया, जिसमें बिजली दरों में कमी, फसल बीमा राशि का तत्काल भुगतान और कृषि उत्पादों के उचित समर्थन मूल्य जैसी प्रमुख मांगें शामिल हैं।

जानकारी के अनुसार, सुबह से ही राज्य के विभिन्न जिलों से किसान जत्थों में नागपुर पहुंचे और उमरेड रोड के पास राष्ट्रीय राजमार्ग को जाम कर दिया। किसानों ने हाथों में बैनर और तख्तियां लेकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

मुंबई मेट्रो के स्टेशनों को कॉरपोरेट को बेचे जाने का विरोध

कोलाबा से सीप्झ मेट्रो के कई स्टेशनों के नामकरण के बाद कांग्रेस ने किया विरोध

मुंबईः महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनावों का ऐलान जल्द होने की उम्मीद है। इन्हीं चुनावों के साथ मुंबई में बीएमसी के चुनाव भी होंगे। इससे पहले कांग्रेस ने मुंबई मेट्रो के स्टेशनों को कॉरपोरेट को बेचे जाने का विरोध किया है। कांग्रेस ने यह विरोध कोलाबा से सीप्झ मेट्रो के कई सारे स्टेशनों के नामकरण के बाद किया है। इस मामले को सबसे पहले मुंबई कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता सचिन सावंत ने उठाया था। अब कांग्रेस सड़क पर उतर गई है। मंगलवार को पार्टी ने विरोध प्रदर्शन किया। विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करने वाली मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष और सांसद वर्षा गायकवाड़ ने किया। उन्होंने महायुति सरकार पर देवी-देवताओं और महापुरुषों के नामों का व्यवसायीकरण करने का आरोप लगाया। गायकवाड़ ने कहा कि मेट्रो स्टेशनों के नाम स्पॉन्सर कर पैसे कमाना सरकार, एमएमआरडीए और एमएमआर को शोभा देता नहीं।

सिद्धिविनायक पर कांग्रेस का प्रदर्शन

मंगलवार को सिद्धिविनायक मंदिर के पास मुंबई के नेताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि सिद्धिविनायक मंदिर स्टेशन, छत्रपति शिवाजी महाराज, आचार्य अत्रे, महालक्ष्मी, और कालबादेवी जैसे प्रतिष्ठित स्थानों को कॉर्पोरेट कंपनियों के साथ जोड़ना महापुरुषों और देवताओं का अपमान है। उन्होंने आगे कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस को बैंक के नाम से जोड़ना और आचार्य अत्रे चौक को म्यूचुअल फंड कंपनी के नाम से जोड़ना महाराष्ट्र के गौरव का अपमान है।

सीएम फडणवीस को चैलेंज

वर्षा गायकवाड़ ने स्पष्ट कहा कि छत्रपति और अत्रे का नाम बिकाऊ नहीं। मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि बीजेपी सरकार को नेहरू और गांधी से एलर्जी है, इसलिए उनके नाम वाले स्टेशनों से नाम हटा दिए गए। मुंबई कांग्रेस के महासचिव संदीप शुक्ला ने कहा कि बीजेपी भावनाओं से खेलती रही है।

मुंबई : '' वोट चोरी'' राहुल गांधी ने सारे आँकड़े पेश किए हैं - अबू आसिम आजमी

मुंबईः समाजवादी पार्टी के नेता अबू आसिम आजमी ने कहा कि वह कथित मतदाता सूची अनियमितताओं के खिलाफ महा विकास अघाड़ी (एमवीए) की 1 नवंबर की रैली का समर्थन करते हैं, उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी पहले ही ''वोट चोरी'' के सबूत पेश कर चुके हैं, लेकिन चुनाव आयोग कार्रवाई करने में विफल रहा है। पत्रकारों से बात करते हुए आजमी ने कहा, ''मैं इसका समर्थन करता हूँ।'' वोट चोरी '' हो चुकी है। राहुल गांधी ने सारे आँकड़े पेश किए हैं। हमारे इलाकों में भी सैकड़ों वोट बाहर से डाले जाते हैं। चुनाव आयोग इस पर ठीक से काम नहीं कर रहा है। मैं इस रैली का समर्थन करता हूँ, लेकिन मैं इस गठबंधन का सदस्य नहीं हूँ।'' इससे पहले, आजमी ने मनसे प्रमुख राज ठाकरे के ''फर्जी मतदाताओं'' के आरोपों का समर्थन करते हुए महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनावों से पहले मतदाता सूची में संशोधन की मांग की थी । आजमी ने कहा, ''मैं मनसे प्रमुख राज ठाकरे के बयान का स्वागत करता हूँ...जिन नेताओं का वोट बैंक एक लाख से ज्यादा था, वे यहाँ चुनाव हार गए। विपक्ष के कई बड़े नेता चुनाव हार गए और भाजपा जीत गई।'' उन्होंने कहा, ''कुछ विसंगति है...फर्जी मतदाताओं के नाम हटाने के बाद चुनाव कराए जाने चाहिए।'' राज ठाकरे ने स्थानीय निकाय चुनावों से पहले चुनाव आयोग की आलोचना करते हुए दावा किया कि 9.6 मिलियन फर्जी मतदाता जोड़े गए हैं। रविवार को स्थानीय निकाय चुनावों से पहले पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए मनसे प्रमुख ने कहा, ''अभी-अभी विश्वसनीय जानकारी मिली है कि 96 लाख फर्जी मतदाता जोड़े गए हैं। यह महाराष्ट्र और देश के मतदाताओं का अपमान है। सभी समूह अध्यक्षों (ग्रुप प्रेसिडेंट), शाखा अध्यक्षों और चुनाव सूची प्रमुखों को घर-घर जाकर वोटों की गिनती करनी चाहिए। मैं चुनाव आयोग से कह रहा हूं कि जब तक यह साफ नहीं हो जाता, तब तक महाराष्ट्र में चुनाव न कराए जाएं।''

इस बीच, शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने आरोप लगाया कि चुनाव के दौरान चुनावी अनियमितताएं और ''मैच फिक्सिंग'' होती है, तथा उन्होंने इसकी गहन जांच की आवश्यकता पर बल दिया।

संपादकीय...

कमजोर पड़ते लोकतांत्रिक मूल्य...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

इस समय वे युवा चर्चा में हैं, जो कार्यकारी जीवन में प्रवेश कर चुके हैं या कर रहे हैं। इनमें मिलेनियल्स और जेनरेशन-जी जैसे वर्ग शामिल हैं। इन्होंने लोकतंत्र की परिभाषा विश्वविद्यालयों में सीखी है और उसके सिद्धांत तथा मूल्यों को पुस्तकों में पढ़ा है। ये सैद्धांतिक और व्यावहारिक लोकतंत्र में जो अंतर है, उसे देख सकते हैं, अंतर का विश्लेषण कर समाधान के विकल्प सोच सकते हैं। जो कुछ इस पीढ़ी ने देखा, सुना और समझा है, जो कुछ विद्वानों से सीखा या पुस्तकों में पढ़ा है, उसमें और लोकतंत्र के व्यावहारिक स्वरूप में विशाल अंतर इन्हें असमंजस में डाल रहा है।

इससे व्यग्रता जन्म लेती है, बढ़ती है और अनेक अवसरों पर वह उग्रता में परिवर्तित हो जाती है। श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल की घटनाओं को इस संदर्भ में ही विश्लेषित किया जा रहा है। एक दूसरा वर्ग भी उन लोगों का है, जिनका जन्म परतंत्र भारत में ब्रिटिश साम्राज्य की प्रजा के रूप में हुआ। वे स्वतंत्र भारत के नागरिक बने। इन्होंने देश के विभाजन तथा आबादी को 40 करोड़ से 140 करोड़ होते देखा एवं उससे जुड़े अन्य परिवर्तनों से भी भलीभांति प्रभावित हुए हैं। ये वे लोग हैं, जिन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन की खुशबू से परिचय पाया। इनकी अपेक्षाएं और आशाएं उस वातावरण में बढ़ रही थीं, जिसमें ऐसे अनेक व्यक्ति उपस्थित थे, जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपना सब कुछ न्योछावर कर दिया। उस पीढ़ी ने लोकतंत्र के जिस सैद्धांतिक लोकतंत्र से परिचय पाया था, उसी के अनुरूप सत्ता में पहुंचे लोगों को जीवन जीते देखा और आज उसको लगातार विरूपित होते भी देख रहे हैं। इनके समक्ष ज्यादा विचलित करने वाली स्थिति है या उन युवाओं के समक्ष, जिन्हें अपने भविष्य को जीना है, अपने लक्ष्य निर्धारित कर उन्हें प्राप्त करने के प्रयासों को प्रारंभ करना है। 20वीं सदी के उत्तरार्ध में जो देश प्रजातंत्र को अपना रहे थे, उनमें भारत में ही यह सबसे अधिक सफलतापूर्वक स्थापित हो सका है। भारत में प्राचीन परंपराओं और 'परहित' की सार्वभौमिक समझ के कारण ही लोकतंत्र व्यवस्थित ढंग से लागू हुआ और चलता रहा है, पर यह अत्यंत आश्चर्य का विषय है कि त्याग, तपस्या और जनसेवा के जो मूल्य गांधीजी और उनकी पीढ़ी के लोग सिखा गए,

Rokthok Lekhani News Update
WhatsApp group

editor@rokthoklekhani.com
+91 9987775650
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE SHARE COMMENT SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

मुंबई : उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने उद्धव ठाकरे पर तीखा हमला बोलते हुए उन्हें मुंबई की कोषागार पर लिपटा एनाकोंडा कहा

मुंबई : महाराष्ट्र की राजनीति में बयानबाजी ने एक बार फिर गरमी बढ़ा दी है। उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे पर तीखा हमला बोलते हुए उन्हें मुंबई की कोषागार पर लिपटा एनाकोंडा कहा। यह प्रतिक्रिया उद्धव ठाकरे के उस बयान के बाद आई, जिसमें उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को मुंबई को निगलने वाला एनाकोंडा कहा था। पत्रकारों से बात करते हुए शिंदे ने कहा कि जो दूसरों को एनाकोंडा बताते हैं, वे खुद असली एनाकोंडा हैं। ये लोग मुंबई की कोषागार पर लिपटे हुए हैं, और इनका पेट कभी नहीं भरता। शिंदे ने आगे कहा कि ठाकरे गुट ने मुंबई को लूटने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने आरोप लगाया कि बीएमसी की कोषागार से लेकर कोविड काल की खिचड़ी तक में घोटाले हुए हैं।

भ्रष्टाचार के आरोप और उदाहरण

शिंदे ने कहा कि उन्होंने मुंबई, उसकी कोषागार, प्लॉट्स, मरीजों की खिचड़ी, शवों के बैग और यहां तक कि मिठी नदी की गाद तक को निगल लिया। इनका भ्रष्टाचार की भूख कभी खत्म नहीं होती। उन्होंने कहा कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में जब शिवसेना (अविभाजित) 1997 से 2022 तक लगातार 25 साल बीएमसी पर काबिज रही, तब भ्रष्टाचार का बोलबाला रहा। शिंदे ने कहा कि शिवसेना (यूबीटी) को अब जवाब देना चाहिए कि मुंबई के विकास के नाम पर उन्होंने आखिर किया क्या।

ठाकरे द्वारा अमित शाह को 'एनाकोंडा' कहे जाने के बाद भाजपा ने भी तीखी प्रतिक्रिया दी। भाजपा नेता चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि उद्धव ठाकरे अपने चुनावी हार से निराश हैं और इसीलिए अनर्गल बयान दे रहे हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि उद्धव जी को शीशा देखकर खुद को देखना चाहिए, क्योंकि वे खुद वो एनाकोंडा हैं जो दूसरों के परिश्रम पर फुफकारते हैं।

राजनीतिक पृष्ठभूमि और संकेत

राज्य की राजनीति में शिंदे और ठाकरे के बीच जुबानी जंग कोई नई बात नहीं है। 2022 में शिवसेना के विभाजन के बाद दोनों नेताओं के बीच राजनीतिक कटुता लगातार बढ़ी है। ठाकरे गुट अब महा विकास अघाड़ी का हिस्सा है, जबकि शिंदे सरकार भाजपा के साथ सत्ता में है।शिंदे के इस बयान से साफ संकेत मिलते हैं कि मुंबई महानगरपालिका के आगामी चुनाव से पहले दोनों गुटों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर और तेज होगा।

पुणे : एटीएस ने पुणे से संदिग्ध को किया गिरफ्तार...

पुणे : महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) ने पुणे से एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया है। संदिग्ध का नाम जुबेर हंगरकर बताया जा रहा है। गिरफ्तारी यूएपीए कानून के तहत की गई है। कुछ दिन पहले, एटीएस ने महाराष्ट्र के कोंढवा इलाके में छापेमारी की थी और छापेमारी में मिले सबूतों के आधार पर यह गिरफ्तारी की गई। सूत्रों के अनुसार, संदिग्ध के अल-कायदा से जुड़े होने का संदेह है। संदिग्ध की गिरफ्तारी के बाद, एटीएस पुणे ने कहा, ''9 अक्टूबर, 2025 को, महाराष्ट्र एटीएस ने आतंकवाद से जुड़े एक मामले में पुणे में कई जगहों पर तलाशी ली। इस अभियान के दौरान कई इलेक्ट्रॉनिक सामान, दस्तावेज और सामग्री जब्त की गई। जाँच के दौरान मिले सबूतों के आधार पर, गैरकानूनी गतिविधियाँ (रोकथाम) अधिनियम, 1967 (2008 में संशोधित) के तहत मामला दर्ज किया गया। मामला दर्ज होने के बाद, एटीएस ने 27 अक्टूबर को पुणे में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। आगे की जाँच जारी है।'' महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधी दस्ते ने 9 अक्टूबर को आईएसआईएस मॉड्यूल से जुड़े लोगों को कट्टरपंथी बनाने के संदेह में पुणे में कई जगहों पर छापे मारे।

एटीएस ने 2023 में आईएसआईएस मॉड्यूल से जुड़ा एक मामला दर्ज किया था। इसी सिलसिले में 9 अक्टूबर को देर रात 19 संदिग्धों के घरों और कार्यालय परिसरों पर छापे मारे गए। अधिकारियों ने बताया कि कट्टरपंथी व्यक्तियों के बारे में विशेष खुफिया जानकारी के आधार पर पुणे शहर के कोंढवा, खड़क, खड़की, वानवाड़ी और भोसरी इलाकों में छापे मारे गए। एटीएस अधिकारियों ने संदिग्धों से पूछताछ की। इस छापेमारी के दौरान मिली जानकारी के आधार पर अब एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है।

ठाणे : ट्रैफिक पुलिस और युवक के बीच चालान को लेकर विवाद का अनोखा...

ट्रैफिक पुलिस के ही गाड़ी की गलती पकड़ ली और जुमार्ना भरवा दिया

ठाणे : मुंबई के ठाणे में ट्रैफिक पुलिस और एक युवक के बीच चालान को लेकर हुए विवाद का एक अनोखा मामला सामने आया है। ट्रैफिक पुलिस ने एक युवक को बिना हेलमेट बाइक चलाने को लेकर रोका और उसका चालान काट दिया। लेकिन थोड़ी ही देर में युवक ने ट्रैफिक पुलिस के ही गाड़ी की गलती पकड़ ली और उनसे जुमार्ना भरवा दिया।

वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

युवक की गाड़ी का चालान काटने के बाद ट्रैफिक पुलिसकर्मी एक दूसरी गाड़ी से ट्रैफिक ऑफिस वापस जाने लगे। युवक ने देखा कि पुलिसकर्मी जिस एक्टिवा गाड़ी से जा रहे हैं, उसमें नंबर प्लेट सही से नहीं दिख रही है। युवक ने पुलिसकर्मियों का पीछा करते हुए उनका वीडियो बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल है।

एक्टिवा गाड़ी ट्रैफिक पुलिस के दोस्त की

युवक ने वीडियो बनाते हुए पुलिसकर्मियों को रोका और उनसे पूछा कि आपकी गाड़ी का नंबर कहां है। युवक ने पूछा कि जब नियम तोड़ने की वजह से हमारा चालान काट रहे तो खुद नियम क्यों तोड़ रहे। जिसके बाद वीडियो में ट्रैफिक पुलिसकर्मी ने जवाब दिया कि यह गाड़ी कार्रवाई के लिए ट्रैफिक ऑफिस जा रही है। लेकिन मामला बढ़ने के बाद जांच में खुलासा हुआ कि एक्टिवा गाड़ी ट्रैफिक पुलिस के एक दोस्त की थी, जिस पर गलत तरीके से पुलिस का लोगो भी लगा रखा था।

ट्रैफिक पुलिस के सब-इंस्पेक्टर ने लिया ऐक्शन

ट्रैफिक पुलिस के सब-इंस्पेक्टर पंकज शिरसाट ने एक्टिवा गाड़ी पर ऐक्शन लिया है। घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इस पूरे मामले में अभी तक ट्रैफिक पुलिस की तरफ से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

मुंबई: पूर्व आयुक्त अनिल पवार ने सरकार से अपना निलंबन रद्द करने और बहाल करने की अपील की...

मुंबई: वसई-विरार क्षेत्र में अवैध निर्माण से जुड़ी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की मनी लॉन्ड्रिंग जाँच के सिलसिले में लगभग दो महीने जेल में बिताने वाले वसई विरार नगर निगम (वीवीसीएमसी) के पूर्व आयुक्त अनिल पवार ने सरकार से अपना निलंबन रद्द करने और उन्हें बहाल करने की अपील की। ''मुझे इसलिए निलंबित किया गया क्योंकि मैं 48 घंटे से ज्यादा समय तक हिरासत में रहा। लेकिन मेरी गिरफ़्तारी अवैध थी - यह उच्च न्यायालय ने कहा है। यहाँ तक कि सर्वोच्च न्यायालय ने भी उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। इसलिए मेरा निलंबन रद्द है। मैं सरकार से अपील करता हूँ कि मुझे वापस ले और फिर से नियुक्त करे,'' पवार ने कहा, जो 2030 में भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी के रूप में सेवानिवृत्त होने वाले हैं।

सामान्य प्रशासन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि सरकार को पवार को बहाल करना होगा क्योंकि उनकी गिरफ़्तारी अवैध घोषित कर दी गई है। पवार 13 जनवरी, 2022 से 25 जुलाई, 2025 तक वीवीसीएमसी आयुक्त के रूप में कार्यरत रहे और बाद में उन्हें मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में झुग्गी पुनर्वास प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी

अधिकारी (सीईओ) के रूप में स्थानांतरित कर दिया गया। लेकिन 13 अगस्त को ईडी द्वारा गिरफ्तार किए जाने के कारण वे कार्यभार ग्रहण नहीं कर सके।

25 अक्टूबर को, बॉम्बे उच्च न्यायालय ने उनकी गिरफ्तारी को अवैध घोषित कर दिया क्योंकि ईडी उनकी गिरफ्तारी को उचित ठहराने के लिए धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की धारा 19 के तहत आवश्यक सामग्री प्रस्तुत करने में विफल रहा था। इसके बाद ईडी ने सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया, जिसने याचिका पर तत्काल सुनवाई करने से इनकार कर दिया और कहा कि एजेंसी ने संबंधित अपराध दर्ज होने के चार साल बाद ईसीआईआर (प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट) दर्ज की थी। इससे दिवाली से पहले पवार की आर्थर रोड जेल से रिहाई का रास्ता साफ हो गया। पवार ने सोमवार को संवाददाताओं से कहा, ''मेरे खिलाफ कोई ठोस सबूत नहीं मिला... मेरे खिलाफ 13 बार छापेमारी की गई, लेकिन 12 बार में कुछ नहीं मिला। मीडिया में मेरे पास से आभूषण जब्त किए जाने की खबरें आईं - मैं पूछना चाहता हूँ कि आभूषण कहाँ हैं।'' पूर्व वीवीसीएमसी आयुक्त ने कहा कि उनके कार्यकाल के दौरान 94.40 लाख वर्ग फुट के अवैध निर्माण को ध्वस्त किया गया, जबकि महाराष्ट्र क्षेत्रीय नगर नियोजन अधिनियम के तहत 228 दंडात्मक कार्रवाई की गई। उन्होंने कहा, ''मैंने अवैध निर्माण के संबंध में 207 प्राथमिकी भी दर्ज की थीं, साथ ही सात कनिष्ठ अभियंताओं को बर्खास्त किया था और चार सहायक आयुक्तों के खिलाफ कार्रवाई की थी। कानून के अनुसार, पहले सहायक आयुक्तों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए थी, फिर मेरे खिलाफ। यह दुखद है कि मुझे इसलिए निशाना बनाया गया क्योंकि मैं बॉस था।''

मुंबई : म्हाडा को जर्जर इमारत के पुनर्विकास के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करने का निर्देश

मुंबई : बॉम्बे उच्च न्यायालय ने महाराष्ट्र आवास एवं क्षेत्र विकास प्राधिकरण (म्हाडा) को बोरीवली में एक जर्जर इमारत के पुनर्विकास के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) जारी करने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति गिरीश कुलकर्णी और आरती साठे की खंडपीठ ने 30 सितंबर को फैसला सुनाते हुए कहा, ''हम इस बात को स्वीकार नहीं कर सकते कि म्हाडा द्वारा अनापत्ति प्रमाण पत्र तब रोका जाए जब याचिकाकर्ता सोसायटी के सदस्य एक जर्जर इमारत में रह रहे हों और ऐसी परिस्थितियों में, खासकर जब कोई कानूनी बाधा न हो, एनओसी देना म्हाडा का कानूनी दायित्व है।'' साथ ही, पीठ ने चेतावनी दी कि किसी भी अप्रिय घटना की स्थिति में अधिकारियों को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। अदालत बोरीवली हिमकन्या सहकारी

आवास सोसायटी द्वारा

पुनर्विकास में देरी के संबंध में दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी। नगर निकाय ने इमारत को सी1 संरचना घोषित किया था, जो दशार्ता है कि यह संरचनात्मक रूप से असुरक्षित थी और इसे ध्वस्त करने की आवश्यकता थी। इसके बाद सोसाइटी ने संपत्ति के पुनर्विकास के लिए एक डेवलपर को नियुक्त किया, लेकिन सोसाइटी और डेवलपर के बीच कानूनी विवाद के कारण सोसाइटी को म्हाडा से एनओसी प्राप्त करने में देरी हुई। 2 सितंबर को, जब उच्च न्यायालय निजी मुकदमे की सुनवाई कर रहा था, उसने टिप्पणी की कि निजी मुकदमे म्हाडा द्वारा पुनर्विकास के लिए एनओसी प्रदान करने में बाधा नहीं बन सकते। अदालत ने कहा, ''एनओसी प्रदान करने से किसी भी तरह से निजी मुकदमे की प्रकृति प्रभावित नहीं होगी।'' इसके बाद सोसाइटी ने उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया और कहा कि लंबित मुकदमा निजी प्रकृति का है, इसलिए उसे म्हाडा से एनओसी प्राप्त करने से नहीं रोका जा सकता। सोसाइटी ने तर्क दिया, ''मुकदमे में कोई निषेधात्मक आदेश नहीं है जो याचिकाकर्ता या म्हाडा को किसी भी तरह से पुनर्विकास कार्य करने और एक नया डेवलपर नियुक्त करने की अनुमति देने से रोके।''

30 सितंबर को, उच्च न्यायालय ने स्थिति की आपातकालीन प्रकृति पर प्रकाश डाला और म्हाडा से दो सप्ताह के भीतर एनओसी जारी करने का आग्रह किया। अदालत ने कहा कि सोसायटी के सभी सदस्य एकमत थे - न केवल इमारत की स्थिति पर, बल्कि इस बात पर भी कि शीघ्र पुनर्विकास की प्रक्रिया शुरू की जानी चाहिए। अदालत ने कहा कि निवासी उस इमारत में अब और नहीं रह सकते जिसे 'सी1' श्रेणी में रखा गया है।

मुंबई: शादी के 11 महीने बाद महिला की मौत, ससुराल वालों पर धीमा जहर देकर मारने का आरोप; 6 गिरफ्तार

मुंबई: मुंबई के खार वेस्ट इलाके में 24 साल की नेहा गुप्ता की रहस्यमयी मौत सवालों के घेरे में है. पुलिस ने इस मामले में नेहा के पति अरविंद गुप्ता और उसके परिवार के पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया है. ससुरालवालों पर दहेज के लिए प्रताड़ना और हत्या जैसे गंभीर आरोप लगे हैं. हालांकि पुलिस को अभी पोस्टमॉर्टम की फाइनल रिपोर्ट और फॉरेंसिक साइंस लैब की जांच रिपोर्ट का इंतजार है, जिससे मौत का असली कारण साफ हो सके.

शादी के 11 महीने बाद महिला की मौत

नेहा की शादी पिछले साल 16 नवंबर 2024 को उत्तर प्रदेश के गाजीपुर के रहने वाले अरविंद गुप्ता से हुई थी, जो फिलहाल खार वेस्ट में बैंक में नौकरी करता है. शादी को मुश्किल से ग्यारह महीने ही हुए थे कि नेहा की अचानक मौत ने उसके मायके वालों के सामने कई सवाल खड़े कर दिए हैं. नेहा के पिता राधेश्याम गुप्ता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि शादी के कुछ ही महीनों बाद से बेटी को ससुराल में प्रताड़ित किया जाने लगा था. उन्होंने बताया कि शादी के समय 9 लाख नकद, 18 तोले सोना, दो किलो चांदी और कई घरेलू सामान देने के बावजूद ससुराल वाले और पैसे और एक महंगी बुलेट बाइक की मांग कर रहे थे. जब उन्होंने यह मांग पूरी करने से मना किया, तो नेहा पर अत्याचार बढ़ गया. परिजनों का आरोप है कि नेहा को लगातार जहर दिया जा रहा था.

मुंबई: आर्टिफिशियल रेत के इस्तेमाल को बढ़ावा देने वाली पॉलिसी फाइनल; ऑफिशियल ऑर्डर भी जारी

मुंबई: सरकार ने कंस्ट्रक्शन के कामों के लिए आर्टिफिशियल रेत के इस्तेमाल को बढ़ावा देने वाली एक पॉलिसी को फाइनल कर दिया है और इस बारे में एक ऑफिशियल ऑर्डर भी जारी कर दिया है, रेवेन्यू मिनिस्टर चंद्रशेखर बावनकुले ने मंगलवार को यह बात कही। सभी डिस्ट्रिक्ट कलेक्टरों को लिखे एक लेटर में, बावनकुले ने इस पॉलिसी को तुरंत लागू करने का निर्देश दिया। सरकार ने आर्टिफिशियल रेत, या एम-सैंड (मैन्युफैक्चर्ड रेत) यूनिट्स को मंजूरी देने की पावर डिस्ट्रिक्ट कलेक्टरों को दे दी है, जो अब पहले की 50 यूनिट्स की लिमिट से बढ़ाकर 100 यूनिट्स तक मंजूरी दे सकते हैं।

मुंबई : भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर साइंटिस्ट मामले में जमशेदपुर से दूसरे आरोपी गिरफ्तार

मुंबई: भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर के एक साइंटिस्ट होने का नाटक करने वाले एक आदमी से जुड़े मामले में चल रही जांच में, मुंबई पुलिस की क्राइम इंटेलिजेंस यूनिट ने झारखंड के जमशेदपुर से दूसरे आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान मोनाज़िर खान (34) के रूप में हुई है। उस पर मुख्य आरोपी अख्तर हुसैन कुतुबुद्दीन अहमद उर्फ अलेक्जेंडर पामर (60) के लिए आधार कार्ड, भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर पहचान और पासपोर्ट जैसे जाली दस्तावेज बनाने का आरोप है। तीसरा आरोपी अभी भी फरार पुलिस सूत्रों के मुताबिक, एक और आरोपी इलियास अभी भी फरार है। शुरूआती जांच में पता चला है कि इलियास ने भी अख्तर के लिए जाली दस्तावेज बनाने में मदद की थी। कोर्ट ने अख्तर और मोनाज़िर दोनों को 29 अक्टूबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है।

मुंबई: अच्छे रिटर्न का लालच देकर दस लोगों से 83.12 लाख रुपये की ठगी; मामला दर्ज

मुंबई: चेम्बूर पुलिस ने मोहम्मद अली मोहम्मद सलीम शेख, 40, के खिलाफ मामला दर्ज किया है। उस पर आरोप है कि उसने अपनी बकरी ट्रेडिंग के बिजनेस में अच्छे रिटर्न का लालच देकर दस लोगों से 83.12 लाख रुपये की ठगी की। मामले के बारे में प्राथमिकी के मुताबिक, आरोपी ने पीड़ितों को हर 1 लाख रुपये के इन्वेस्टमेंट पर हर महीने 5,000 रुपये का प्रॉफिट देने का वादा करके फंसाया। शिकायत अब्दुल अजीज अब्दुल सलाम सैयद, 35, ने दर्ज कराई है, जो चेम्बूर के डायमंड गार्डन इलाके में रहते हैं और मेहंदी आर्टिस्ट हैं। सैयद ने पुलिस को बताया कि दिसंबर 2023 में, नीलोफर नाम की एक महिला, जो उनके साथ काम करती थी, ने उन्हें अपने कजिन मोहम्मद अली से मिलवाया और बताया कि वह बकरी ट्रेडिंग का बिजनेस करता है। नीलोफर ने सैयद को भरोसा दिलाया कि उसने खुद 2017 में अली के साथ 3 लाख रुपये इन्वेस्ट किए थे और उसे हर महीने 15,000 रुपये का रिटर्न मिल रहा है।

मुंबई : नौकरी दिलाने का झांसा देकर 38 युवकों और युवतियों से साइबर ठगी; 11 आरोपी गिरफ्तार

मुंबई : टेक्सटाइल कंपनी में नौकरी दिलाने का झांसा देकर 38 युवकों और युवतियों से साइबर ठगी करने के आरआरएमवी कंपनी (टेक्सटाइल) के सीएमडी समेत 11 आरोपियों को सारनाथ और साइबर क्राइम थाने की टीम ने पहड़िया के कृष्णा नगर कॉलोनी से गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे से 22 फर्जी डिजिटल नियुक्ति पत्र, 19 रूम मैनेजमेंट फॉर्म व 10 मोबाइल फोन मिले। कोर्ट ने आरोपियों को जेल भेज दिया है। आरोपियों में उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों, बिहार, झारखंड और महाराष्ट्र के रहने वाले हैं। पीड़ितों से पूछताछ करके ठगी की रकम का पता लगाया जा रहा है।

पुलिस लाइन सभागार में एडीसीपी वरुणा नीतू कात्यायन ने बताया कि आरोपियों में बिहार भभुआ कैमूर के कमार्पुर निवासी और कंपनी का सीएमडी रविप्रकाश, सुल्तानपुर के पूरे मिताई अहमद निवासी अमन वर्मा, प्रयागराज के होलागढ़ कस्तूरीपुर निवासी अनुराग, प्रयागराज करछना घरवारा निवासी प्रदीप कुमार, बिहार के मुजफ्फरपुर के करजा निवासी अनीस तिवारी, मुंबई ठाणे के कल्याण वेस्ट चिकन घर निवासी आलोक श्रीवास्तव, भदोही के सूयार्मा निवासी राजू शुक्ला, बिहार के वैशाली महुआ निवासी विकास कुमार, झारखंड धनबाद के कतरासगढ़ निवासी सुहेल शेख, प्रतापगढ़ के लालगंज सरदार केपुरवा निवासी मो. अय्यूब और गोरखपुर के गगहा थाना क्षेत्र के नरेंबुजुर्ग निवासी आकाश चंद्र हैं।

फर्जी नियुक्ति पत्र भेजे जाते थे

एडीसीपी ने बताया कि मऊ के कोपागंज के इंदारा अहीरपुरा निवासी अमरेश यादव ने सारनाथ थाने में केस दर्ज कराया था। आरोप था कि कि टेक्सटाइल कंपनी में नौकरी का झांसा देकर धन उगाही की जा रही है।

आरआरएमवी इंस्टीट्यूट की ओर से जॉब ऑफर देकर 10 हजार नकद, ठहरने के नाम पर 2830 रुपये और फर्जी नियुक्ति देकर युवक और युवतियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिसके बाद रविवार शाम सारनाथ थाना प्रभारी शिवानंद सिसौदिया और उनकी टीम, साइबर क्राइम प्रभारी मनोज कुमार तिवारी की टीम ने पहड़िया के कृष्णानगर कॉलोनी के मकान में छापा मारा। इंस्टीट्यूट में 50 लोग मिले। युवक और युवतियों ने पुलिस को बताया कि नौकरी के नाम पर आरआरएमवी की ओर से फर्जी नियुक्ति पत्र भेजा जाता है। ब्रांच पर बुलाकर पैसे ऐंठते हैं। 2850 रुपये ठहरने और खाने के लिए लेते हैं। बाकी के पैसे कपड़े बेचने के नाम पर वसूला जाता है। क्लास शुरू करने पर पता चला कि नेटवर्किंग की तरह दो लोगों को जोड़कर चेन बनाना है। आरआरएमवी के कपड़े बेचने पर कमीशन का प्रलोभन दिया जाता है।

ऐसे फंस जाते थे युवा

नियुक्ति पत्र पर आरआरएमवी का नाम नहीं होता है। नियुक्ति पत्र में टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज पता पहड़िया और गारमेंट टेक्सटाइल इंडस्ट्री पहड़िया दर्ज होता है। आरोपी वेबसाइट बनाकर ठगी करते थे। मुनाफा नहीं होने के कारण एप से बनाना शुरू किए फर्जी नियुक्ति पत्र : एसीपी साइबर क्राइम विद्युष सक्सेना ने कहा कि पूछताछ में सीएमडी रविप्रकाश ने बताया कि मित्र रविंद्र के साथ मिलकर कंपनी चलाते हैं। कंपनी में मुनाफा नहीं होने की वजह से अलग-अलग एप से फर्जी नियुक्ति पत्र बनाकर विभिन्न राज्यों के युवक, युवतियों को ऑफर देकर बुलाते हैं। जब वह जाल में फंस जाते हैं तो उन्हें कपड़े बेचने का प्रशिक्षण देते है। आर्थिक स्थिति के अनुसार पैसे लिए जाते हैं। आरआरएमवी की शाखा पर उन्हें नेटवर्क बनाकर कपड़े बेचने का काम दिया जाता है। नियुक्ति पत्र में दिए गए डाटा गारमेंट टेक्सटाइल बिजनेस से जुड़े होते थे। ऐसे में लोग आसानी से झांसे में आ जाते थे।

ठाणे : कानून-व्यवस्था सुधारने के लिए विशेष अभियान; 350 से ज्यादा लोग गिरफ्तार

ठाणे : ठाणे पुलिस ने 25 अक्टूबर को कल्याण-डोंबिवली क्षेत्र के कई इलाकों में कानून-व्यवस्था सुधारने के लिए एक विशेष अभियान चलाया और 350 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया। इनमें हिस्ट्रीशीटर, नशेड़ी, नशे में गाड़ी चलाने वाले और सार्वजनिक स्थानों पर उत्पात मचाने वाले लोग शामिल थे। रात 9 बजे से रात 12 बजे तक चले तलाशी अभियान के अंत में, पुलिस टीमों को नशे में गाड़ी चलाने के छह और सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने के 15 मामले मिले। जो लोग सड़क पर शराब पीते और हंगामा करते पाए गए, उन्हें मौके पर ही उठक-बैठक लगवाई गई और दोबारा पकड़े जाने पर कड़ी सजा देने की चेतावनी दी गई। जो लोग आधी रात को बिना किसी कारण सड़कों पर घूम रहे थे, उन्हें भी चेतावनी दी गई। पुलिस ने 20 बाहरी अपराधियों के घरों, लॉज, ठिकानों और 21 हिस्ट्रीशीटरों से जुड़े परिसरों का दौरा किया, जिनमें से छह को गिरफ्तार कर लिया गया। टीमों ने 27 अन्य आरोपियों पर भी नजर रखी, जिनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किए गए हैं। टीमों ने जुआ खेलने वाले समूहों का पता लगाया और विभिन्न अपराधों के तहत बदमाशों से ₹41,500 का

जुमार्ना वसूला।

इस अभियान में शामिल एक अधिकारी ने बताया कि ये अभियान सड़क पर अपराधियों और असामाजिक तत्वों पर नजर रखने के लिए औचक निरीक्षण के तौर पर चलाए जाते हैं। ''त्योहारों का मौसम होने के कारण, ज्यादा लोग खरीदारी और अन्य गतिविधियों के लिए सड़कों पर थे। बदमाश चेन स्नैचिंग और डकैती के लिए आम जनता को निशाना बनाते हैं। चूँकि यहाँ कई निवासी अपने घरों से अपने गृहनगर जाते हैं, इसलिए लुटेरे ऐसे घरों को निशाना बनाते हैं।'' ठाणे पुलिस के जोन 3 के पुलिस उपायुक्त अतुल जेंडे की देखरेख में इस क्षेत्र में गहन तलाशी अभियान चलाया गया। इसमें आठ थानों के 311 पुलिसकर्मी शामिल थे, जिनमें 17 इंस्पेक्टर, 40 सब-इंस्पेक्टर, 236 पुलिस कांस्टेबल और 18 महिला अधिकारी शामिल थीं। जेंडे ने कहा, ''यह अभियान अपराधियों और बदमाशों में डर पैदा करने के लिए चलाया गया था। हम इस क्षेत्र में अपराधों को नियंत्रित करने के लिए भविष्य में भी इस तरह के और अभियान चलाते रहेंगे।''

नवी मुंबई : सात महीनों में ही नवी मुंबई नगर निगम ने प्रॉपर्टी टैक्स से 500 करोड़ रुपये से ज्यादा की वसूली की

नवी मुंबई : नवी मुंबई नगर निगम ने वित्त वर्ष 2025-26 के पहले सात महीनों में ही प्रॉपर्टी टैक्स से 500 करोड़ रुपये से ज्यादा की वसूली कर ली है. अप्रैल से अक्टूबर तक की इस अवधि में 1.63 लाख संपत्ति मालिकों से टैक्स जमा हुआ है. निगम का कहना है कि यह अब तक का सबसे प्रभावशाली प्रदर्शन है, जिससे सालाना लक्ष्य 1000 करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद मजबूत हो गई है.

डिजिटल पेमेंट बना सफलता की कुंजी

नवी मुंबई नगर निगम आयुक्त और प्रशासक डॉ. कैलाश शिंदे ने बताया कि इस उपलब्धि के पीछे सबसे बड़ा कारण नागरिकों का सहयोग और डिजिटल प्रणाली का बेहतर इस्तेमाल है. कुल 500.11 करोड़ रुपए की वसूली में से 313.70 करोड़ रुपये डिजिटल माध्यम से जमा किए गए, जबकि 186.41 करोड़ रुपये ऑफलाइन माध्यम से मिले. निगम ने टैक्स भुगतान को आसान बनाने के लिए कई जन-जागरूकता अभियानों और डिजिटल भुगतान के प्रचार कार्यक्रम चलाए थे, जिनका बड़ा असर देखने को मिला.

लोगों में बढ़ी जागरूकता और भरोसा...

निगम के जनसंपर्क अधिकारी महेंद्र कोंडे ने बताया कि टैक्स वसूली में नागरिकों की सक्रिय भागीदारी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. पहले जहां लोग टैक्स भरने में देरी करते थे, अब वे समय पर भुगतान कर रहे हैं. नागरिकों में यह भरोसा बढ़ा है कि टैक्स का पैसा शहर के विकास कार्यों में ही लग रहा है. इससे न केवल वसूली में सुधार हुआ है बल्कि पारदर्शिता भी बढ़ी है.

सालाना लक्ष्य 1000 करोड़ पर नजर...

नवी मुंबई नगर निगम ने इस वित्त वर्ष के लिए 1000 करोड़ रुपये का प्रॉपर्टी टैक्स लक्ष्य तय किया है. अब तक की वसूली के आधार पर यह लक्ष्य हासिल करना मुश्किल नहीं लगता. निगम प्रशासन का कहना है कि अगर इसी गति से नागरिक सहयोग करते रहे, तो नवी मुंबई आने वाले महीनों में टैक्स वसूली में महाराष्ट्र के अग्रणी शहरों में शामिल हो सकता है.

मुंबई एलटीटी सुपर फास्ट ट्रेन की कपलिंग टूटी, मुंबई हावड़ा मार्ग पर पांच घंटे बाधित रहा यातायात....

मुंबई : मुंबई हावड़ा रेल लाइन के ठिकरिया, मारकुंडी रेलवे स्टेशन के मध्य मुंबई एलटीटी सुपर फास्ट एक्सप्रेस ट्रेन की कपलिंग टूट गई। इससे करीब पांच घंटे यातायात प्रभावित रहा। इस दौरान करीब आधा दर्जन ट्रेनें ठिकरिया, मझगवा, जैतवारा, सतना आदि स्टेशनों में खड़ी रहीं। बता दें कि सोमवार तड़के करीब 2:45 बजे मुंबई एलटीटी से भागलपुर की ओर जाने वाली 2336 ट्रेन के लास्ट के एसी कोच की

कपलिंग टूट जाने से एक्सप्रेस ट्रेन की 4 बोगी अलग हो गई। ट्रेन में सवार यात्रियों व गार्ड के द्वारा ट्रेन चालक व स्टेशन प्रबंधक को सूचना दी गई। करीब पांच घंटे तक मशक्कत करने के बाद सुबह करीब आठ बजे ट्रेन आगे को रवाना हुई। इस बीच ताप्ती गंगा, काशी, गोदान आदि आधा दर्जन ट्रेन डेढ़ से दो घंटे तक विभिन्न स्टेशनों में खड़ी रखी गईं। इस मामले में मानिकपुर स्टेशन प्रबंधक शिवेश मालवीय ने बताया कि यह भोर का मामला है। सूचना मिलने पर ट्रेन की टूटी कपलिंग सही करवाई गई है। वहीं अन्य ट्रेनों को रूट खाली न होने से डिले करना पड़ा।

संपर्क कार्याल : रोहिरा हाउस फ्लैट नो 8 दूसरा माला पाकीजा बेकरी के सामने कैडल रोड माहिम पश्चिम मुंबई ४०००१६
मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhaninews.com